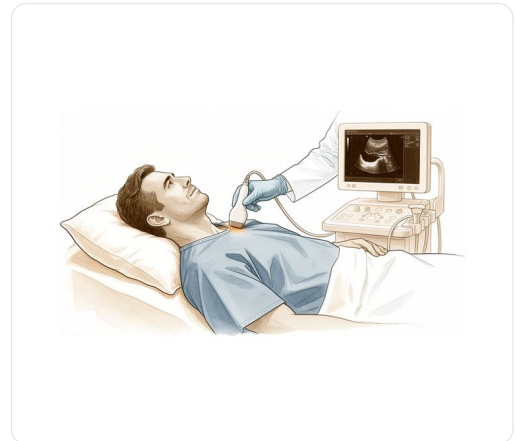


आपके कंधे का नर्व ब्लॉक

अल्ट्रासाउंड की मदद से दिया गया ब्लॉक: लोकल एनेस्थीसिया की दवा हंसली के ठीक ऊपर नर्वों के आसपास डाली जाती है, जिससे पूरी बांह कई घंटों के लिए सुन्न हो जाती है।

Kieran Hirpara © ① ③ 4.0



यह पृष्ठ मशीन द्वारा अनूदित है और अभी तक किसी चिकित्सक द्वारा जाँचा नहीं गया है। **अंग्रेज़ी संस्करण** ही आधिकारिक है।

कंधे के लगभग सभी ऑपरेशन हल्के जनरल एनेस्थीसिया (जिसमें आप पूरी तरह बेहोश रहते हैं) के साथ-साथ एक **नर्व ब्लॉक** (शरीर के एक हिस्से को सुन्न करने का इंजेक्शन) देकर किए जाते हैं। सर्जरी के बाद आपको आराम में रखने के लिए हमारे पास सबसे असरदार एक चीज़ यही ब्लॉक है, और यह समझ लेना अच्छा है कि क्या योजना है, ताकि कुछ भी आपको अचानक हैरान न करे।

नर्व ब्लॉक क्या है

आपकी बांह तक जाने वाली सभी नर्वें (तंत्रिकाएं) आपकी हंसली (कॉलरबोन) के ठीक ऊपर एक कसे हुए गुच्छे से होकर गुज़रती हैं। अल्ट्रासाउंड मशीन से ठीक-ठीक देखकर कि वे कहां हैं, एनेस्थेसिस्ट (बेहोशी के डॉक्टर) उस गुच्छे के आसपास थोड़ी-सी लोकल एनेस्थीसिया की दवा डालते हैं। इसे **सुप्राक्लेविकुलर ब्लॉक** (हंसली के ठीक ऊपर दिया जाने वाला ब्लॉक) कहते हैं। यह कई घंटों के लिए पूरी बांह से आने वाले दर्द के संकेतों को बंद कर देता है, इतनी देर तक कि आपका ऑपरेशन और ठीक होने का शुरुआती दौर, जब वरना दर्द सबसे ज़्यादा होता, दोनों इसमें ढक जाएं।

ऑपरेशन के दौरान आप जागे हुए नहीं होते। आमतौर पर ब्लॉक के ऊपर से आपको हल्का जनरल एनेस्थीसिया भी दिया जाता है, ताकि आप पूरी सर्जरी के दौरान सोते रहें। दर्द से राहत ब्लॉक देता है; जनरल एनेस्थीसिया आपको आराम से सुलाए रखता है।

हम इसे आपके कंधे के लिए क्यों इस्तेमाल करते हैं

एक अच्छा ब्लॉक सिर्फ़ एक सुई जितनी सुन्नता से कहीं ज़्यादा काम करता है:

- **यह गोलियों या अकेले जनरल एनेस्थीसिया की तुलना में दर्द को बेहतर नियंत्रित करता है।** एक के बाद एक अध्ययन में, जिन मरीज़ों को ब्रेकियल प्लेक्सस ब्लॉक (बांह की नर्वों के गुच्छे का ब्लॉक) दिया गया, उनके दर्द के स्कोर कंधे की सर्जरी के बाद के पहले घंटों में कम रहे और उन्हें तेज़ दर्द निवारक दवा की बहुत कम ज़रूरत पड़ी। एक समीक्षा, जिसमें कंधे का दूरबीन से ऑपरेशन (आर्थ्रोस्कोपी) करवाने वाले 3,000 से ज़्यादा मरीज़ों वाले 36 अलग-अलग ट्रायल को मिलाकर देखा गया, में पाया गया कि इस जैसे ब्रेकियल प्लेक्सस ब्लॉक ने दर्द के स्कोर भी कम किए और बाद में लोगों को ज़रूरी ओपिओइड (तेज़ दर्द निवारक) दवा की मात्रा भी घटाई।

- **इससे हम हल्का जनरल एनेस्थीसिया दे पाते हैं।** क्योंकि दर्द का सबसे भारी काम ब्लॉक कर रहा होता है, आप आमतौर पर ज़्यादा साफ़ दिमाग के साथ जागते हैं, कम सुस्ती और कम मतली के साथ।
- **इससे आपको ओपिओइड (तेज़ दर्द निवारक) की कम ज़रूरत पड़ती है।** इसका मतलब है कम साइड इफ़ेक्ट (कम कब्ज़, उर्नीदापन और मतली) और ठीक होने की शुरुआत ज़्यादा आसानी से।
- **इससे आप जल्दी आराम में, चलने-फिरने लायक और घर पहुंच जाते हैं।**

यह कैसा महसूस होता है

इंजेक्शन के लगभग 20–30 मिनट के अंदर बांह भारी, गर्म, सुन्न और कमज़ोर हो जाती है। आप इसे उठा नहीं पाएंगे या इसमें ज़्यादा कुछ महसूस नहीं कर पाएंगे, और हो सकता है कि आप अपनी उंगलियां भी न हिला पाएं। ठीक यही होना चाहिए। सुन्नपन आमतौर पर 8 से 18 घंटे रहता है, कभी-कभी एक दिन तक। यह पूरी तरह अस्थायी है: पूरा एहसास और हिलना-डुलना हमेशा वापस आ जाता है।

आप स्लिंग क्यों पहनते हैं

जब तक ब्लॉक असर कर रहा होता है, आपकी बांह सुन्न होती है और उसमें अपनी कोई ताकत नहीं होती। स्लिंग (बांह को सहारा देने वाली पट्टी) उसे थामने और बचाने के लिए है, ताकि वह लटके, झूले या उस पर चोट न लगे, और ताकि आप उस बांह पर, जिसे आप महसूस नहीं कर सकते, झुकें या करवट लेकर न लें। इसे स्लिंग में सहारा देकर रखें, गर्म रखें, और नीचे लटकने न दें। इसे ऐसे समझें कि आप एक ऐसे अंग की देखभाल कर रहे हैं जो अभी अपनी देखभाल खुद नहीं कर सकता।

जो बातें आप देख सकते हैं (ये सामान्य हैं)

क्योंकि जिन नर्वों को हम सुन्न करते हैं वे गर्दन में कुछ दूसरी नर्वों के पास होती हैं, इसलिए आपको उस तरफ़ कुछ हानिरहित, अस्थायी असर दिख सकते हैं:

- पलक का झुक जाना या भारी लगना, और कभी-कभी आंख का थोड़ा लाल हो जाना
- आवाज़ का थोड़ा भारी (बैठी हुई) होना या नाक का एक तरफ़ बंद-सा लगना
- ऐसा लगना कि आप पूरी गहरी सांस नहीं ले पा रहे (ब्लॉक थोड़ी देर के लिए उस तरफ़ फेफड़े के नीचे की मांसपेशी तक जाने वाली नर्व को शांत कर सकता है)

हम जो सुप्राक्लेविकुलर तरीका इस्तेमाल करते हैं, उसे कुछ हद तक इसलिए चुना गया है क्योंकि गर्दन में ज़्यादा ऊपर दिए जाने वाले ब्लॉक की तुलना में इससे ये असर कम बार होते हैं। ब्लॉक का असर खत्म होने के साथ-साथ ये सभी असर भी खत्म हो जाते हैं, और इनके लिए किसी इलाज की ज़रूरत नहीं होती।

जब ब्लॉक का असर खत्म हो — अपनी गोलियां जल्दी शुरू करें

इसे सही तरीके से करना सबसे ज़रूरी है।

ब्लॉक पहले 8–18 घंटों के लिए बहुत बढ़िया काम करता है, और फिर एहसास तेज़ी से वापस आता है, अक्सर रात में। ऐसा होने पर दर्द काफ़ी अचानक आ सकता है। इसे **रिबाउंड पेन** (ब्लॉक खत्म होने पर अचानक लौटने वाला दर्द) कहते हैं, और यह लोगों को हैरान कर देता है क्योंकि पहले वे बहुत आराम में थे।

तरीका आसान है: **दर्द का इंतज़ार न करें।** बांह के पूरी तरह जागने से पहले ही अपनी नियमित रूप से लिखी गई दर्द की गोलियां लें: हम आपको मोटा अंदाज़ा देंगे कि ऐसा कब होगा, और पहले एक-दो दिन तक उन्हें नियमित रूप से लेते रहें, तब भी जब बांह अभी सुन्न हो। जो मरीज़ दर्द से आगे रहते हैं, उनकी पहली रात कहीं ज़्यादा आसानी से गुज़रती है। जो मरीज़ दर्द शुरू होने तक इंतज़ार करते हैं, वे दर्द पर काबू पाने की कोशिश में कुछ घंटे बहुत तकलीफ़ में बिताते हैं।

हमें फ़ोन करें, या मदद लें, अगर

- आपको **सांस लेना सच में मुश्किल लगे या यह बिगड़ता जाए** (फेफड़ों के पूरी तरह न भरने का हल्का-सा एहसास होना अपेक्षित है; सांस लेने के लिए असली संघर्ष अपेक्षित नहीं है: जांच करवाएं)
- आपकी बांह **लगभग 24-30 घंटे के बाद भी पूरी तरह सुन्न और ढीली पड़ी हो**
- आपकी उंगलियां **सफ़ेद, ठंडी या नीली** पड़ जाएं, या आपको सीने में दर्द हो

ब्लॉक का असर कम होने पर होने वाले सामान्य रिबाउंड पेन के लिए अपनी गोलियां लें और दर्द से आगे रहें: यह अगले एक-दो दिन में ठीक हो जाता है।